to associate with the Committee on Public Undertakings of this House for the unexpired portion of the term of the Committee ending on the 30th April, 1979—vice Shri Deoraj Patil died and do communicate to this House the name of the Member so nominated by Rajya Sabha."

The motion was adopted.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE (Sangli): I am on a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER: What is it?

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: The motion mentions the name as Shri Deoraj Patil. There was no such Member. He was Shri Deorao Patil.

MR. DEPUTY-SPEAKER: It is a printing mistake. It must be Shri Deorao Patil. It will be corrected. Now the next item.

14.31 hrs.

DEMANDS FOR EXCESS GRANTS (GENERAL), 1976-77

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGRAWAL): Sir, on behalf of Shri H. M. Patel I beg to present a statement showing Demands for Excess Grants in respect of the Budget (General) for 1976—77.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, Matters under Rule 377.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Reported cancellation of certain trains in Olavvakkot Division of Southern Railway for want of coal.

SHRI A. SUNNA SAHIB (Palghat): Sir, I would like to draw the attention of the hon. Railway Minister to the matter of urgent public importance. In the Mathrubhoomi, Malayalam daily of 13-2-1978, it has been mentioned that 50 passenger trains and 30 goods trains have been cancelled for want of coal in Olavvakkot Division of Southern Railway, on account of which thousands of passengers and goods worth several lakhs of rupees have been put to difficulties and destruction respectively. On account of paucity of coal, trains from Cochin to Shoranur, Cochin to Mettupalayam are cancelled. I need not say that this route is the livewire route of Malabar part of Kerala for trade and business. I apprehend that trains between Cannanore to Trivandrun, Ernakulam to Trichur will also be cancelled. If shortage of coal is not remedied immediately, the entire economy of Kerala will be in doldrums. Even as it is, the coal supply has to come from Bihar coal mines. The transportation of coal will take at least 15 days before these trains are restored.

I request a statement from the hon. Minister of Railways assuring immediate despatch of coal to Southern Railway so that the misery of passengers can be alleviated and goods supply revive forthwith.

(ii) Working of Fertilizer Planning and Development Ltd., Sindri.

श्री युवराज (कटिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, फर्टिलाइजर प्लानिंग एण्ड डिवेलेपमेंट लिमिटेड, सिन्दरी के वैज्ञानिक अनुसंधान डिजाइन तथा इंजीनियरिंग में अग्रणी रहे हैं। एक अप्रैल, 1978 से वह स्वतन्त्र रूप से कार्य कर रहा है। इसके पूर्व यह भारतीय खाद निगम की पांच इकाइयों में से एक था। इस में कुल तीन हजार से अधिक कर्मचारी नियुक्त हैं जिन में करीब 45 इंजीनियर तथा 300 वैज्ञानिक भी शामिल हैं। वेतन के रूप में करीब इसे प्रतिवर्ष 3 करोड़ रुपये देने पड़ते हैं। इसकी मुख्य आय कैटलिस्ट उत्पादन तथा खाद के डिजाइन और इंजीनियरिंग से आती है।

यह स्पष्ट है कि इस संस्थान की दिनों दिन तरक्की ही हुई है लेकिन पिछले एक साल से यह लड़खड़ा रहा है। अभी इसके पास काम नहीं के बराबर है। बम्बई हाई गैस पर आधारित चार फर्टिलाइजर प्रोजैक्टों को जो करीब 1200 करोड रुपयों की प्रोजैक्ट है विदेशी कम्पनियों को देने पर यहां के इंजीनियरों को काम नहीं के बराबर ही रहेगा। साथ साथ यह काम विदेशी कम्पनियों को देने पर करीब करीब 600 करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा में विदेशी कम्पनियों को विदेशी साज सामान खरीदने तथा डिजाइन इंजीनियरिंग के लिए देने पड़ेंगे। लेकिन यदि इन प्रोजैक्टों को उक्त संस्थान को सौंपा जाता तो विदेशी मुद्रा में बहुत कम रुपये ही विदेशी कम्पनियों को लाइसेंस के रूप में देने पड़ते। दूसरी बात यह है कि यदि इन प्रोजैक्टों की क्षमता 1350 टन प्रति दिन के बजाय 900 टन प्रति दिन रखी जाती तो यह कार्य उक्त संस्थान द्वारा ही किया जा सकता था। अभी तक इस संस्थान ने दुर्गापुर, बरौनी, नामरूप, गोरखपुर, ट्राम्बे, नंगल, सिन्दरी, आधुनिकीकरण इत्यादि प्रोजैक्टों का काम सफलतापूर्वक किया है। नंगल सिन्दरी 900 टन प्रति दिन अमोनिया उत्पादन करने वाले प्लांट हैं तथा रामागुंडम और तालचेर जो कोयले पर आधारित 900 टन वाले अमोनिया प्लांट हैं कुछ महीने में ही उत्पादन प्रारम्भ कर देंगे। 1965—70 तक उक्त संस्थान को 6—7 फर्टिलाइजर प्रोजैक्ट मिलें जिन में कुछ बुनियादी डिजाइन की जानकारी विदेशी कम्पनियों से ली गई और अधिक से अधिक उपयोग अपने यहां की मशीनरी और टैक्नालाजी का किया गया। विश्व के विख्यात से विख्यात डिजाइन प्रतिष्ठान भी कुछ न कुछ जानकारी दूसरों से खरीदते हैं और अपने